



# हिन्दी दैनिक

# बुद्ध का संदेश

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बोली, सीतापुर, सोनभद्र, गोप्ता, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद,

बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

प्रोजेक्ट की विफलता  
के लिए...8



बुधवार, 11 अगस्त 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण

[www.budhakasandesh.com](http://www.budhakasandesh.com)

वर्ष: 08 अंक: 236 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड—SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नहीं है कोई व्यवस्था,  
प्रदेश का हर वर्ग परेशान है: कमलनाथ

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सिंह

चौहान की सरकार पर जमकर निशाना साधा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर सवाल

उठाते हुए है कि कमलनाथ की व्यवस्था नहीं है।

न्यूज एजेंसी एनआई के मुताबिक कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। नौजवान बेरोजगार घूम रहे हैं, किसान पीड़ित हैं, मूल्य खाएं और बीज मिल रहा है। मैं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करके आया, कोई व्यवस्था नहीं है। इन्होंने धोषणा की कि जिनकी कोरोना से मौत हुई

है उन्हें मुआवजा देंगे। एक व्यक्ति को भी नहीं मिला। इसके अलावा कमलनाथ ने कहा कि विधानसभा शुरू हुई, महागांधी पर प्रसन्न उठा, हमने स्थगन प्रस्ताव मूल्य किया था संवैधानिक बैठक में चर्चा हुई थी

कि स्थगन प्रस्ताव में से एक तो स्वीकार कर लीजिए। हमने 139

में कई प्रस्ताव रखे थे उसमें से बता दीजिए कि 3-4 स्वीकार

करेंगे। कुछ बताने के तैयार नहीं हैं। वही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

चौहान ने कहा कि हमारे आदिवासी, अनुसूचित जनजाति के मुहें पर

कांग्रेस ने भ्रम फैलाने की कोशिश की। आज उन्होंने पार्श्व दिया।

इन्होंने पिछड़े वर्ग को धोखा दिया और उनके साथ पार्श्व दिया।

पिछड़े वर्ग की पीट में छार धोपने की घटिया राजनीति की।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकवादियों

का गेनेड हमला, 5 लोग जर्मी

श्रीनगर। जम्मू-

कश्मीर के श्रीनगर के हरि

सिंह हाई स्ट्रीट पर

आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों

को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड

से हमला किया। प्राप्त

जानकारी के मुताबिक

दोपहर 2 बजकर 40 मिनट में एक संदिग्ध व्यक्ति ने एसएसबी के

बंकर को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड से हमला किया। समाचार

एजेंसी एनआई के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के हरि

सिंह हाई स्ट्रीट पर

आतंकवादियों से सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड फेंका। इस

हमले में पांच नागरिक घायल हुए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्रेनेड हमले में जख्मी हुए स्थानीय नागरिकों को उपचार के लिए

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही ग्रेनेड हमला करने

वालों की तलाश में इलाके में धोराबंदी की गई है। गौरतलब है कि

शोषण जिले में मंगलवार तक भी आरपीएफ के सड़क सुरक्षा दल

पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि क्रालचेक पर आतंकवादियों ने

सीआरपीएफ के सड़क सुरक्षा दल पर हमला किया।

गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देने जा

रही है भाजपा? ऐसे मिल रहे संकेत

दिल्ली में अगले साल

नगर निगम के चुनाव होने

है। माना जा रहा है कि नगर

निगम चुनाव में मुख्य

मुकाबला भाजपा और आम

आदीपी चार्टी के बीच होगी।

इन सबके बीच सूत्र यह दावा

कर रहे हैं कि दिल्ली में भाजपा बड़ा बदलाव कर सकती है।

दरअसल, हाल में ही पूर्ण दिल्ली से संसद और पूर्व क्रिकेटर

गौतम गंभीर ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गुरु मंत्री अमित शाह

से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव संग्रहीत

बीएल संतोष के साथ भी मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के बाद

गौतम गंभीर को लेकर तर-तर के कायास लगाए जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि निगम चुनाव से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

में बदलाव कर सकती है। दिल्ली में वर्तमान में आदेश गुरु

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्हें विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्हें पहले प्रदेश अध्यक्ष की

जिम्मेदारी में रिहाई की पास थी। माना जा रहा है कि गौतम

गंभीर लगातार केजरीवाल सरकार पर आक्रमक तेवर अपनाए

रहते हैं। केजरीवाल सरकार की नीतियों की जमकर आलोचना

करते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

दिल्ली में अगले साल

नगर निगम के चुनाव होने

है। माना जा रहा है कि नगर

निगम चुनाव में मुख्य

मुकाबला भाजपा और आम

आदीपी चार्टी के बीच होगी।

इन सबके बीच सूत्र यह दावा

कर रहे हैं कि दिल्ली में भाजपा बड़ा बदलाव कर सकती है।

दरअसल, हाल में ही पूर्ण दिल्ली से संसद और पूर्व क्रिकेटर

गौतम गंभीर ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गुरु मंत्री अमित शाह

से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव संग्रहीत

बीएल संतोष के साथ भी मुलाकात की थी। इन मुलाकातों के बाद

गौतम गंभीर को लेकर तर-तर के कायास लगाए जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि निगम चुनाव से पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

में बदलाव कर सकती है। दिल्ली में वर्तमान में आदेश गुरु

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्हें विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्हें पहले प्रदेश अध्यक्ष की

जिम्मेदारी में रिहाई की पास थी। माना जा रहा है कि गौतम

गंभीर लगातार केजरीवाल सरकार पर आक्रमक तेवर अपनाए

रहते हैं। केजरीवाल सरकार की नीतियों की जमकर आलोचना

करते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

दिल्ली में अगले साल

नगर निगम के चुनाव होने

है। माना जा रहा है कि नगर

निगम चुनाव में मुख्य

मुकाबला भाजपा और आम

आदीपी चार्टी के बीच होगी।

इन सबके बीच सूत्र यह दावा

कर रहे हैं कि दिल्ली में भाजपा बड़ा बदलाव कर सकती है।

दरअसल, हाल में ही पूर्ण दिल्ली से संसद और पूर्व क्रिकेटर

गौतम गंभीर ने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गुरु मंत्री अमित शाह

से





# सम्पादकीय

इसके बाद तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी की पहल पर रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स का कानून बना और वोडाफोन ग्रुप को फिर से टैक्स चुकाने का नोटिस दिया गया। केयर्न एनजी पीएलसी की भारत में अश्वयल फील्ड में हिस्सेदारी कई इकाइयों में बंटी थी। कंपनी ने 2006 में ...

पहले हुए सौदों पर टैक्स (रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स) कानून में संशोधन के लिए सरकार विधेयक लेकर आई है, जिससे ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप और केर्न एनर्जी पीएलसी सहित 17 कंपनियों के साथ कानूनी मुकदमे खत्म हो जाएंगे। यह कानून 28 मई 2012 को यूपीए सरकार ने लागू किया था। इसमें कहा गया था कि सरकार उन मामलों में 50 साल पुराने सौदों में हुए कैपिटल गेन पर टैक्स की मांग कर सकती है, जिनमें मालिकाना हक भले ही विदेश में हुई डील से बदला हो, लेकिन उससे संबंधित संपत्तियां भारत में हों। रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स को लेकर देश में दो सबसे चर्चित मामले वोडाफोन ग्रुप और केर्न पीएलसी से जुड़े रहे हैं, लेकिन इसकी शुरुआत वोडाफोन मामले से हुई थी। 2007 में वोडाफोन ग्रुप ने केमन आइलैंड की एक इन्वेस्टमेंट कंपनी को खरीदा, जिसके पास हॉन्कार्ना के उद्योगपति ली का शिंग के भारतीय टेलिकॉम बिजनेस यानी हचिसन एस्सार का मालिकाना हक था। भारत के टैक्स डिपार्टमेंट ने इस सौदे पर ब्रिटिश कंपनी से 200 करोड़ का टैक्स मांगा। वोडाफोन ने आखिरकार सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती दी और केस जीत गई।

इसके बाद तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी की पहल पर रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स का कानून बना और वोडाफोन ग्रुप को फिर से टैक्स चुकाने का नोटिस दिया गया। केर्न एनर्जी पीएलसी की भारत में ऑयल फील्ड में हिस्सेदारी कई इकाइयों में बंटी थी। कंपनी ने 2006 में हनका सबका केर्न इंडिया लिमिटेड के साथ मर्ज़ यानी विलय किया। यह केर्न इंडिया

को शेयर बाजार में लिस्ट कराने की तैयारी थी। टैक्स डिपार्टमेंट ने दावा किया कि इस मर्जर से केर्न एनर्जी पीएलसी को लाभ हुआ है और उसने 2015 में कंपनी से रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स की मांग की।

इनमें से एक मामला यूपीए सरकार और दूसरा एनडीए सरकार का है। केयर्न से टैक्स वसूली के लिए सरकार ने उसके शेयर जब्त करके बेच दिए और डिविडेंड से मिली रकम भी रख ली। केयर्न और वोडाफोन दोनों ही मामलों को अंतर्राष्ट्रीय अदालतों में ले गई, जहां फैसला उनके हक में आया। फिर भी भारत सरकार अड़ी रही और उसने अंतर्राष्ट्रीय अदालतों के फैसलों के खिलाफ अपील की राह पकड़ी।

केरन ने तो इस फैसले के मुताबिक वसूली के लिए भारत सरकार की न्यूयॉर्क से लेकर पैरिस तक की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इससे सरकार की फजीहत हो रही थी। ऐसे में इस विवादित कानून को खत्म करने का फैसला सही है।

यूं भी एनडीए सरकार जब सत्ता में आई थी तो उसने यूपीए दौर के इंटैक्स टेररिज्म को खत्म करने का वादा किया था। लेकिन वैश्विक निवेशकों के बीच छवि बेहतर करने के लिए उसे और भी कदम उठाने होंगे। सरकार का अभी वॉलमार्ट की कंपनी पिलपार्ट के साथ ड्राप्ट कंस्यूर प्रोटेक्शन रेगुलेशन को लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे ही कई विवाद अन्य विदेशी कंपनियों के साथ चल रहे हैं। केंद्र को इन झगड़ों को भी खत्म करने की पहल करनी होगी।

# क्या आ गई<sup>१</sup> तीसरी लहर

कोरोना के नए केसों की संख्या में फिर बढ़ोतरी शुरू हो गई है। मई में दूसरी लहर की पीक के बाद से हर हफ्ते नए केसों की संख्या कम होते जाने का सिलसिला पिछले सप्ताह थम गया। खास बात यह कि कोरोना के सबसे ज्यादा मामले भले केरल में पाए जा रहे हों, नए केसों में बढ़ोतरी दिल्ली समेत 13 राज्यों में देखी गई है। खासकर पहाड़ी राज्यों—हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में तो यह बढ़ोतरी क्रमशः 64 फीसदी और 61 फीसदी की है। जाहिर है, तीसरी लहर के जिस खतरे की बात लगातार की जा रही थी, वह अब करीब आ गया है। दुनिया के कई अन्य देश कोरोना संक्रमण की तेजी से बढ़ती संख्या की चेपेट में हैं। जापान में ओलिंपिक खेल तो कार्यक्रम के मुताबिक चल रहे हैं, लेकिन कोविड केसों की बढ़ती संख्या के चलते देश के कई हिस्सों में आपातकाल लागू करना पड़ा है। चीन तो कोरोना से उबर चुका था, लेकिन वहां भी इसने फिर तेजी से सिर उठाया है। नानजिंग शहर इसका नया केंद्र है। 50 फीसदी से ज्यादा आबादी का टीकाकरण हो जाने के बावजूद अमेरिका में भी कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है और काफी हद तक यूरोपीय देशों में भी। अपने देश में तो टीकाकरण की रफ्तार भी काफी कम है। करीब 94 करोड़ की वयस्क आबादी में से जुलाई के अंत तक 10.3 करोड़ लोगों को ही वैक्सीन की दोनों डोज लगी थी। यानी लगभग 11 फीसदी।

हाल में सीरो सर्व के आंकड़ों ने जरूर राहत दी थी, लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि उसी सर्व के मुताबिक करीब 40 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनमें एंटी बॉडीज नहीं डिवेलप हुई हैं। जाहिर है, किसी भी तर्क से हम तीसरी लहर के खतरे को कम करके नहीं आंक सकते। ऐसे में बचाव के उपायों को तेज करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। ऐसा पहला उपाय टीकाकरण की रफ्तार को यथासंभव तेज करना ही है। पक्ष और विरोध में होने वाली राजनीतिक बयानबाजियों को किनारे करके देखें तो पिछले महीने सरकार ने करीब 66 करोड़ डोज टीकों के ऑर्डर बुक किए हैं। इसके मद्देनजर उम्मीद की जा सकती है कि टीकों की कमी की वैसी समस्या इस महीने नहीं रहेगी जैसी पिछले महीनों में दिखी थी। लेकिन तेज टीकाकरण की राह में यह एकमात्र बाधा नहीं है। सरकारी तंत्र की सीमाएं और आम लोगों की बेरुखी जैसी अड़चनें भी हैं। साल के अंत तक पूरी वयस्क आबादी को टीकाकरण के दायरे में लाने का लक्ष्य पूरा करना है तो रोज करीब 92 लाख डोज देने होंगे। मौजूदा औसत करीब 38 लाख का है। इसके अलावा नए-नए वैरिएंट्स पर टीकों का कितना असर होता है, यह भी देखना होगा। कुल मिलाकर, जितना हो सके टीकाकरण में तेजी जरूर लाई जाए, लेकिन बचाव का सबसे भरोसेमंद तरीका अभी भी मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और सावधानी बरतना ही होगा।

सरकार बार-बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह दोनों सदनों के नियमों, प्रावधानों एवं चेयरमैन एवं स्पीकर साहब के दिशा-निर्देशों के तहत कोरोना महामारी, किसान, महांगाई, जल शक्ति जिसमें बाढ़ भी शामिल हैं, आदि सभी उचलतं मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। कथित जासूसी मामले पर भी सरकार ने बिना समय गंवाए संसद में बयान दे दिया है। लेकिन कांग्रेस, विपक्ष का स्वयंभू चौधरी बनने की चतुराई में लगी है...

मुख्तार अब्बास नकवी

विपक्ष ने एक बार फिर देश को निराश किया है। छह महीने से संसद का सत्र बुलाने और कोरोना संकट सहित तमाम विषयों पर विस्तृत चर्चा की रट लगाने के बाद जब संसद का सत्र वास्तव में चल रहा है तो विपक्ष ने एक दिन भी कार्यवाही में शामिल होने की दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यहीं नहीं, विपक्षी नेताओं ने बातचीत में यह साफ कर दिया है कि उनकी ओर से पूरा सत्र वॉशआउट यानी धूल चुका है। तमाम मीडिया इस पर रिपोर्ट भी कर चुका है। कुछ विपक्षी दलों द्वारा ऐसी गैर जिम्मेदाराना राजनीति की चौधराहट में देश का सबसे पुराना दल, कांग्रेस, सबसे आगे है। मई की शरूआत में लेकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति से मांग की थी कि फौरन संसद का विशेष सत्र आहूत करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सत्र बेहद आवश्यक है क्योंकि सभी राज्यों से आने वाले तमाम संसद अपने क्षेत्र में कोरोना संकट को लेकर उत्पन्न स्थिति के बारे में कुछ न कुछ कहना चाहते हैं और लोगों को कोरोना संकट से निजात दिलाने के लिए समाधान चाहते हैं। कांग्रेस के नए मित्र शिवसेना के संसद और नेता संजय राउत ने भी विशेष सत्र की मांग दोहराई थी। जब सरकार की ओर से यह आग्रह किया गया कि पूरा सरकारी तंत्र, कोरोना की दूसरी लहर को काबू करने में जुटा है और संसद सत्र में लोगों का जुटना खतरे से खाली नहीं है तो विपक्ष ने कई दिनों तक इस पर तीखी बयानबाजी भी की थी। संसद का मॉनसून सत्र चल रहा है। सत्र का आगाज हुए एक सप्ताह से ज्यादा का समय हो चुका है। जो विपक्ष कोरोना की दूसरी लहर में अप्रत्याशित संकटों के बीच सत्र के लिए राष्ट्रपति से गुहार लगा रहा था उसने अब तक एक दिन भी कामकाज चलने नहीं दिया है। यहीं नहीं, सत्र के पहले दिन जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों के संसद के नेताओं को कोरोना से चल रही लड़ाई और सरकार के उपायों, भविष्य की तैयारियों का ब्योरा देने के लिए एक विशेष बैठक का आमंत्रण दिया तो कांग्रेस सहित कुछ नेताओं ने भवें चढ़ाकर कहा था कि जब सत्र शुरू हो गया है तो अलग से बैठक क्यों? जो कहना है सरकार को संसद के पटल पर ही करना चाहिए। इन बयानों से साबित हो गया था कि विपक्ष, संसद सत्र को लेकर बित्ना इच्छुक और गंभीर है। जबकि कोरोना पर ऑल पार्टी मीटिंग का सुझाव भी कांग्रेस की तरफ से आया था। यह गंभीरता का फूफू हो गई जब पहले सप्ताह में ही विद्वानों का सदन कहे जाने वाले राज्यसभा में एक वरिष्ठ मंत्री के हाथा से छीनकर कागज फाड़े गए। लोकसभा में तो स्थिति यहां तक पहुंच गई कि विपक्षी सदस्य अध्यक्ष पर कागज के टुकड़े फेंकने लगे और सदन ही नहीं गैलरी में बैठ पत्रकारों की ओर भी कागज फाड़ कर उछाले गए। सदन की कार्रवाई का ब्योरा नोट करने वाले अधिकारियों को भी प्रताड़िघ्न करने से नहीं चुके। इन तमाम नाटकीय स्थितियों के लिए विपक्ष कथित पेपरास्स जासूसी कांड का सहारा ले रहा है। गैरतलब है कि इस विवाद पर सरकार के संबंधित मंत्री दोनों सदनों में बयान दे चुके हैं। मुम्किन है विपक्ष उनके बयान से संतुष्ट न हुआ हो। अगर ऐसा था तो सबसे उत्तम फोरम राज्यसभा है जहां नियमों के मुताबिक किसी भी मंत्री के बयान पर स्पष्टीकरण पूछने का प्रावधान है। लेकिन वहां तो विपक्ष का फोकस मंत्री के बयान को हंगामे में दबाने और फिर उनके हाथ से कागज छीनने में था। अब तक विपक्ष के खैये से कुछ अहम सवाल खड़े होते हैं। क्या कोरोना पर संसद का इमरजेंसी सत्र बुलाना सिफर सरकार का ध्यान भटकाने का पैतृथा? अगर मंशा चर्चा की थी तो लगभग डेढ़ हफ्ते से विपक्ष चर्चा के अलावा बाकी सब कुछ क्यों कर रहा है? या कोरोना की दूसरी लहर काबू होने के बाद केवल, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते देख विपक्ष कोरोना की बहस के उल्टा पड़ने की आशंका से यू-टर्न ले रहा है? या विपक्ष को डर है कि विस्तृत चर्चा हुई तो उसके मुख्यमंत्रियों की भी कलई खुल जाएगी? कहीं ऐसा तो नहीं कि मोदी सरकार के खिलाफ विपक्षी एकता का दम भी रहे नेता डर रहे हैं कि बिंदुवार चर्चाओं से यह कथित एकता तार—तार हो जाएगी? यदी ऐसा है कि यहां यह बताना उचित होगा कि विपक्ष की एकता का दावा कितना खोखला है यह आए दिन वैसे भी उजागर हो ही रहा है। जब कांग्रेस बैठक बुलाती है तो तुर्णमूल के संसद गयाब रहते हैं और जब तुर्णमूल के नेता क्षेत्रीय दलों एवं केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार हैं। से मिलते हैं तो कांग्रेस कन्नी काट लेती है। वास्तविकता यह है कि कोरोना के संकट काल में संकट के समाधान का हिस्सा बनने के बयान कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दल सियासी व्यवधान का किस्सा गढ़ते रहे। एकजुट होकर एक महामारी से लड़ने के बजाय, सरकार का काम डॉरेल करने के लिए भयंकर बीमारी के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना का शिगूफा छेड़ने वाले, अब संसद में एक ऐसा हवाई मुद्दे पर काम ठप्प किए बैठे हैं जिस पर न तो आम भारतीय का कोई ध्यान है और न ही दिलचस्पी। इससे पहले भी जनता के मूड़ को समझे बगैर इधर—उधर के मुद्दों पर बवाल करने की कीमत विपक्ष चुका रहा है। इस बार भी उसका यही हश होगा, यह तय है। सरकार बार—बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह दोनों सदनों के नियमों, प्रावधानों एवं चेयरमैन एवं स्पीकर साहब के दिशा-निर्देशों के तहत कोरोना महामारी, किसान, महंगाई, जल शक्ति जिसमें बाढ़ भी शामिल है, आदि सभी ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। कथित जासूसी मामले पर भी सरकार ने बिना समय गंवाए संसद में बयान दे दिया है। लेकिन कांग्रेस, विपक्ष का स्वयंभू चौधरी बनने की चतुराई में लगी है। कांग्रेस अपनी नकारात्मक सौंच को संपूर्ण विपक्ष का फैसला बताकर उन विपक्षी दलों की सहारात्मक सौंच को भी बंधन बनाना चाहती है जो सदन में चर्चा और कार्य करने के पक्ष में हैं। (लेखक उपनेता, राज्यसभा

आज देश को जोड़ने वाली सोच, जोड़ने वाली राजनीति चाहिए। पर हमारे राजनेता, जोड़ने वाली बात तो करते हैं, पर राजनीति तोड़ने वाली ही कर रहे हैं। कब्रिस्तान और श्मशान का नाम लेकर होने वाली राजनीति, जनगणना में धार्मिक संतुलन की बात करने वाले नेता और जाति के आधार पर वोट बांटने का गणित लगाने वाले चुनावी-रणनीतिकार देश को जोड़ते नहीं, तोड़ते हैं। सच तो यह है कि देश ...

विश्वनाथ सचदेव  
मानवीय संवेदनाओं को साकार करने  
वाले बाबा आम्टे ने आज से लगभग  
पैंतीस साल पहले एक नारा दिया था  
देश को—भारत जोड़ो। नौ अगस्त, 1942  
को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा देश को  
दिये गये एक संकल्प शंखें जो भारत  
छोड़ोच की तर्ज पर दिया गया यह नारा  
वस्तुतरु राष्ट्रपिता के आवान की अगली  
कही ई था। बाप ने अज्ञाती की लुडाई  
होंगे तो सही, पर देश को तोड़ने के लिए  
नहीं, जोड़ने के लिए। बाबा आम्टे ने  
श्वरत जोड़ोच के उस अभियान को प्रारम्भ  
करते हुए इस देश के हर नागरिक को  
भारतीय होने का मंत्र दिया था। वे स्वयं  
को श्वेतना का सिपाहीच कहते थे। हर  
भारतीय की चेतना को जागृत—झंकृत  
करने का सपना दिखाया था उन्होंने।  
इहम भारतीय हैंच से भी आगे बढ़कर  
उस सन्धार हैंच की चेतना जगाने उसे

विश्वनाथ सचदेव  
मानवीय संवेदनाओं को साकार करने वाले बाबा आटे ने आज से लगभग पैंतीस साल पहले एक नारा दिया था देश को—भारत जोड़ो। नौ अगस्त, 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा देश को दिये गये एक संकल्प शअंग्रेजों भारत छोड़ोच की तर्ज पर दिया गया यह नारा वस्तुतरु राष्ट्रपिता के आहवान की अगली कड़ी ही था। बापू ने आजादी की लड़ाई के निर्णायक कट्टम को साकार किया था होंगे तो सही, पर देश को तोड़ने के लिए नहीं, जोड़ने के लिए। बाबा आम्टे ने श्वारत जोड़ोच के उस अभियान को प्रारम्भ करते हुए इस देश के हर नागरिक को भारतीय होने का मंत्र दिया था। वे स्वयं को श्वेतना का सिपाहीय कहते थे। हर भारतीय की चेतना को जागृत—झंकृत करने का सपना दिखाया था उन्होंने। शहम भारतीय हैंच से भी आगे बढ़कर शहम मनुष्य हैंच की चेतना जगाने, उसे विकसित करने की याद टिखार्ड श्री होती है, हम आज भाषा के नाम पर एक—दूसरे से अलग होने का काम कर रहे हैं। बड़ी त्रासदी यह है कि यह सब अनजाने में नहीं हो रहा, हम जानबूझकर यह कर रहे हैं। सोच—समझ कर रणनीतियां बना कर राजनीति की शतरंज पर शह—मात का खेल खेला जा रहा है और इस प्रक्रिया में हम लगातार कमजोर हो रहे हैं। त्रासदी यह भी है कि हम इसके परिणामों की भयावहता के सम्बन्ध में नहीं चाहते।

क निणायक कदम का साकार किया था और उसके लगभग पांच दशक बाद बाबा आम्टे ने आजादी के उद्देश्य को पूरा करने की राह दिखायी थी। बाबा आम्टे ने इभारत जोड़ोच के लिए आव्वान करते हुए कहा था, शबिना रचनात्मक काम के राजनीति बांझ है और बिना राजनीति के रचनात्मक काम नपुंसक। यह इस रचनात्मक काम से उनका तात्पर्य आसेतु-हिमालय भारत को सही अर्थों में एक राष्ट्र बनाना था। एक ऐसा राष्ट्र, जिसमें धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग की दीवारों के लिए कोई ज़गड़ नहीं दोपी। गहर सब विकासत करने का राह दिखाइ था उन्होंने।

यह एक दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई ही है कि आज जब देश आजादी के पिंचहत्तरवें साल में प्रवेश कर रहा है, हमारी भारतीयता और मनुष्यता, दोनों, सवालिया निशानों के धरे में है। धर्म व्यक्ति को मनुष्य बनाता है, पर हमने धर्म को राजनीति का हथियार बना लिया है। जाति मनुष्य के कर्म की पहचान होनी चाहिए, पर हम जाति के नाम पर राजनीतिक पहचान को मजबूत बनाने में लगे हैं। भाषा एक व्यक्ति को टप्पे से जोड़ने का साध्याम समझना भा नहा चाहत।

इन परिस्थितियों में फिर एक बाद देश में श्वारत जोड़ोच की बात कही जरही है। इस बार यह बात प्रधानमंत्री ने कही है। शमन की बात्य के अपने मासिक-कार्यक्रम में उन्होंने देश का आव्वान किया है कि वह आजादी के अमृत-महोत्सव वाले वर्ष में एक-दूसरे से जुड़ने का संकल्प है। यह बात सुन कर अच्छा लगा। जिस रचनात्मक काम की बात बाबा आम्टे ने की थी, वह भारतीयता का अहसास जगाने का काम था। मनुष्यता को सही अर्थों में समझने

और हमारा सपना पूरा हुआ । 15 अगस्त 1947 को हमने अंग्रेजों को भारत छोड़ के लिए बाध्य कर दिया । इस तरह व सफलता तभी मिलती है जब आव्हान नैतिकता की आंच हो, आव्हान को सफल बनाने के लिए ईमानदार कोशिश हो, क्या आज, जब हम देश को जोड़ने वाले कानून कर रहे हैं, क्या वह आंच और व ईमानदारी हमारे में है? वर्ष 1947 हमने जिस नियति से साक्षात्कार किया था, वह यही नियति थी जो आज 7 साल बाद हम देख रहे हैं?

प्रगति तो बहुत की है हमने इ दौरान, पर सवाल उस सपने को पूछ करने का है जो हमने अपने लिए देखा था । वह सपना एक ऐसे भारत का सपना था जो स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता व मजबूत बुनियाद पर खड़ा हो । क्या ह

अमृत—महोत्सव वाले वर्ष में एक—दूसरे से जुड़ने का संकल्प है। यह बात सुन कर अच्छा लगा। जिस रचनात्मक काम की बात बाबा आम्टे ने की थी, वह भारतीयता का अहसास जगाने का काम था। मन्त्राण्डवा को सबी अर्थों में समझने उस बुनियाद को कमज़ोर बनाने में नह लगे हुए?

# **भारतीय चेतना को जागृत करने का संकल्प**

का काम था ।

महात्मा गांधी न जब श्वरात छोड़ा  
का नारा दिया तो सारा देश जैसे जा-  
उठा था। यह सपना देखने का नहीं  
सपने को पूरा करने का आवान था  
और हमारा सपना पूरा हुआ। 15 अगस्त  
1947 को हमने अंग्रेजों को भारत छोड़ा  
के लिए बाध्य कर दिया। इस तरह व  
सफलता तभी मिलती है जब आवान  
नैतिकता की आंच हो, आवान को सफल  
बनाने के लिए ईमानदार कोशिश हो  
क्या आज, जब हम देश को जोड़ने व  
बात कर रहे हैं, क्या वह आंच और व  
ईमानदारी हमारे में है? वर्ष 1947  
हमने जिस नियति से सक्षात्कार किया  
था, वह गही चिंगारी थी, जो आज त

कुछ और। आज हमारा नेतृत्व इस शफर सदह होना स्वाभाविक है तथा ऐसा करने में अभियन्ता रहे रही थीं।

य कुछ आरच का प्राथामिकता दन का आर धकेल रहा है। राजनीतिक दल जोड़ने की बात तो करते हैं, पर समाज को बांटने-तोड़ने में ही उनके स्वार्थ सधते हैं। आज हमारी राजनीति के कर्णधार समाज को धर्मों और जातियों में बांटने से विप्रवास करते रहे हैं।

सवाल नायत का ह। हमारा राजनेता जो कहते हैं, वह करते नहीं, और जो करते हैं उसे स्वीकारते नहीं। ऐसे राजनेता हर राजनीतिक दल में है। हर दल दूसरे पर उंगली उठा रहा है, पर यह याद रखना जरूरी नहीं समझता कि उपरी भागी जो नायिता बनाए रखती

उसका अपना दा उगालिया स्वयं उसका  
और इशारा कर रही हैं। वह यह भी याद  
रखना जरुरी नहीं समझता कि कल  
उसने क्या कहा था। स्थान और स्थितियों  
को देखकर अपना चोला बदलने वाली

जाधार पर नरादाताजा का ह देखना—समझना। उम्मीदवारों के चयन में से पहले देखा यह जाता है कि वह किस धर्म का है, क्षेत्र में उसे जाति के आधार पर कितने वोट मिल सकते हैं। धर्म और जाति के नाम पर खुले आम वोट मांगते हैं हमारे नेता। इस बात को कैसे भूला जा सकता है कि देश का प्रधानमंत्री वेशभूषा के आधार पर लोगों को पहचानने की बात करते हैं, देश का गृहमंत्री धर्म—विशेष का नारा लगा कर अपनी चुनावी सभा की शुरुआत करता है। दुभाग्य यह भी है कि कोई भी दल धर्म के नाम पर राजनीति करने में संकोच नहीं करता। जीवन में आस्था का अपना महत्व है, पर जब राजनीतिक नफे—नुकसान की गणना करके आस्था का प्रबन्धन किया जाए तो ऐसा में

## माजपा सरकार के विरोध में की नारेबाजी

भाटपारासानी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सचिव कौशल त्रिपाठी की अगुवाई में केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रत्नसिया मोड़ से पैदल मार्च करते हुए तहसील परिसर पहुंचे। युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव चंद्र यादव ने कहा की देश का हरर्वर्ग त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रामजी गिरी, सोहन मिश्र, डा.सत्यनारायण शर्मा, जनार्दन कुशवाहा, सलीम अंसारी, जितेंद्र यादव, जनार्दन वर्मा, ऋषि प्रताप सिंह, पवन दुबे, रामप्रवेश यादव आदि मौजूद रहे।

## परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराएं भूमि

देवरिया। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने गूगल मीट के जरिए जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन पेयजल परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध नहीं हो पाई है। एसडीएम भूमि उपलब्ध कराएं। समीक्षा में पता चाला कि 27 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। उन्होंने करमाजीतपुर, तरकुलवार, बढ़गोनिया, नगवा खास, बढ़या बुर्जान, बड़का गांव, बखरा खास, दुलारपुरी, एकांकी फैकिरिया, इदूपुर, विशुनपुरा, बनकटा शिव, भीमपुर आदि परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए दिया। इस मौके पर सीआरओ अमृत लाल बिद, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ सिंह, भाटपारासानी ध्रुव शुक्रा, सलेमपुर गुजन द्विवेदी, बरहज संजीव कुमार यादव, रुद्रपुर संजीव उपाध्याय, अधिकारी अभियंता जल निगम प्रदीप चौरसिया आदि मौजूद रहे।

## समय से पूरा कराएं अंश निर्धारण कार्य

देवरिया। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने गूगल मीट के माध्यम से स्वामित्य योजना व खटौनी अंश निर्धारण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने 31 अगस्त तक हर हाल में कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा में पता चाला कि 27 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। उन्होंने करमाजीतपुर, तरकुलवार, बढ़गोनिया, नगवा खास, बढ़या बुर्जान, बड़का गांव, बखरा खास, दुलारपुरी, एकांकी फैकिरिया, इदूपुर, विशुनपुरा, बनकटा शिव, भीमपुर आदि परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए दिया। इस मौके पर सीआरओ अमृत लाल बिद, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ सिंह, भाटपारासानी ध्रुव शुक्रा, सलेमपुर गुजन द्विवेदी, बरहज संजीव कुमार यादव, रुद्रपुर संजीव उपाध्याय, अधिकारी अभियंता जल निगम प्रदीप चौरसिया आदि मौजूद रहे।

## मामा के घर आया बालक नदी में डूबा

महाराजगंज। घुघली। स्वजन के साथ स्नान करने गया बालक सुबह नदी में डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बालक की तलाश करने में जुटी है। नगर के वार्ड नंबर आठ निवासी शिव जायसवाल की पुत्री नंदी, बेटे वेद और अपनी बहन की पुत्री संगीनी के साथ सुबह पांच बजे बैंकूंडी घाट पर स्थित मंदिर में पूजा करने गई थी। पूजा के पूर्व वह नदी में स्नान करने नदी के टट की तरफ जा रही थी, उसी दौरान मासूम वेद दौड़ते हुए नदी टट पर पहुंच गया। उसको रोकने के लिए संगीनी पीछे दौड़ी तभी अचानक वेद पानी में चला गया। संगीनी उसे बचाने की प्रयास करने लगी, परंतु तेज धारा की चपेट में वेद नदी की गहराई में लापता हो गया। शोर सुनकर आसपास में मौजूद कुछ ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगाई और खोजीबीन करने लगे।

## तमचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

महाराजगंज। दूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के राजाबारी स्थित लक्ष्मी ट्रेडर्स से चोरी हुए राशन के मामले में वांछित चल रहे आरोपितों को सुबह गिरफ्तार जेल भेज दिया गया। जिसके पास से एक साइकिल, एक तमचा व एक जिदा कारतूस बरामद हुआ। जिसकी पहचान गोलू उर्फ विजय चौहान ग्राम सभा राजाबारी टोला नौडिहथा थाना दूरीबारी के रूप में हुई। सुबह गश्त के दौरान गोलू चौहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक तमचा व एक जिदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपित 25 मार्च 2021 की रात राजाबारी स्थित गोदाम लक्ष्मी ट्रेडर्स से हुई राशन चोरी में आरोपित है।

## गर्भपति किशोरी के साथ माने एसपी से लगाई गूहर

महाराजगंज। फरवरी 2021 में नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर उसे साथ ले जाकर आरोपित ने दुखम किया। जब वह गर्भवती हो गई तो उसे दो दिन पहले चौराहे पर छोड़कर फरार हो गया। हब तो तब हो गई जब गर्भवती किशोरी को लेकर थाने पहुंची उसकी मां का पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से मना कर दिया। किशोरी को लेकर उसकी मां ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर कर्साई की मां की है। पीड़िता जब घर पहुंची तो उसके गर्भवती होने की जानकारी हुई। इस मामले में सिदुरिया पुलिस को सूचना देने के बाद भी कोई कारवाई नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि मामले में जांच कर आवश्यक कारवाई के निर्देश दिए गए हैं।

## अमृत महोत्सव पर विद्यालयों में भी हुआ विभिन्न आयोजन

महाराजगंज। आजादी के अमृत महोत्सव पर जिले के कई विद्यालयों में भी रैली और विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं को आयोजन किया गया। गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक इंटर कालेज महाराजगंज में एसडीएस कैडेट्स की रैली को अपर एसडीएम अविनाश कुमार ने हरी झंझी दिखाकर रवाना किया। रैली के बाद महाराजगंज के आयोजन में प्रोफेसर सिब्बन लाल सरस्वता और जनपद के विशुनपुर गवडुआ में हुए संघर्ष पर चर्चा हुई। इसके पूर्व विद्यालय में हुई निबध्द, कहानी लेखन और काव्य पाठ प्रतियोगिता में मेधावियों को सम्मानित भी किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कुमारी विद्यार्थी तीसरे स्थान पर रही। इसी क्रम में कहानी लेखन में तृतीय मिश्रा प्रथम, अनीता प्रजापति द्वितीय व गुडिया शर्मा तृतीय रहीं। काव्य पाठ में तृतीय मिश्रा प्रथम व हरिओम मद्देशिया दूसरे स्थान पर रहे।

# ग्रामीण क्षेत्र में 10280 लोगों को निजी विद्यालय के शिक्षक व कर्मियों लगाया गया कोरोनारोधी टीका ने चाय बेचकर जताया विरोध

देवरिया। जिले में ग्रामीण जिला अस्पताल में पूरा दिन के लोगों में 1539 को प्रथम व क्षेत्र के 65 टीकाकरण केंद्रों पर लोग टीका लगाने के लिए 938 को द्वितीय डोज दिया गया।

10280 लोगों को कोरोनारोधी पहुंचे लेकिन टीकाकरण कार्य टीका लगाया गया। कोरोनारोधी टप होने के कारण उन्हें मायूस टीका हर व्यक्ति लगाना चाह दोकर वापस लौटना पड़ा।

रहा है लेकिन मौजूदा समय में बार-बार केंद्र से लौटने पर टीका की किसी लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।

परेशानी का सामना करना पड़ एक हेल्प केयर वर्कर व एक रहा है। महानगर व विदेश जाने फ्रंट लाइन वर्कर को कोरोनारोधी वाले लोगों को फैकिरियों में काम दी टीकी की दूसरी डोज दी गई।

करने वाले मजदूरों को टीका जिले में कुल 10490 लोगों को अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे कोरोनारोधी टीका लगाने का वर्षा भी किया गया लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से अधिकांश विदेश वर्षा की सूचना का अस्पताल में लगाया गया।

कालेज के प्रधानाचार्य डा. एम व 662 को द्वितीय डोज दिया गया।

टीकाकरण कार्य बंद रहने से परेशान रहे लोग: देवरिया।

परेशानी का सामना करना पड़ एक हेल्प केयर वर्कर व एक रहा है।

महानगर व विदेश जाने फ्रंट लाइन वर्कर को कोरोनारोधी वाले लोगों को फैकिरियों में काम दी टीकी की दूसरी डोज दी गई।

करने वाले मजदूरों को टीका जिले में कुल 10490 लोगों को अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे कोरोनारोधी टीका लगाने का वर्षा भी किया गया लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से अधिकांश विदेश वर्षा की सूचना का अस्पताल में लगाया गया।

कालेज के प्रधानाचार्य डा. एम व 662 को द्वितीय डोज दिया गया।

टीकाकरण कार्य बंद रहने से अस्पताल पहुंचे और मायूस होकर वापस लौटने लिए।

देवरिया। जनियर शिक्षण प्रबंध संगठनों के लोगों को प्रत्रक दिया युवराज प्रताप सिंह ने कहा कि क्षेत्र संघ के बैनर तले निजी जाता रहा है, लेकिन इसके कोरोना प्रोटोकॉल के तहत ही विद्यालयों के शिक्षकों व कर्मियों वावजूद गंभीरता से नहीं लिया जाय विद्यालयों को खोलने की अनुमति दी जाए। जिस तरह से विद्यालय जाताया। मार्गे जल्द पूरी बेरोजगारी दूर करने का सबसे नौ से इंटरटैक टीका लगाने की लिए विद्यालय खोलने की अनुमति मिली है। उसी मापदंड सरकार विद्यालय खोलने की अनुमति दी रही है। शिक्षण के तहत हमें भी अनुमति दी जाए। इस दौरान जिला महामंत्री जिलाध्यक्ष संगीता सिंह ने कहा कि जिले में एक विद्यालय खोलने की स्थिति विद्यालय खोलने की अनुमति मिली है। उसी मापदंड अनुमति नहीं दें रही है। शिक्षण के तहत हमें भी अनुमति दी जाए। इस दौरान जिला महामंत्री जिलाध्यक्ष संगीता सिंह ने कहा कि जिले में एक विद्यालय खोलने की स्थिति विद्यालय खोलने की अनुमति मिली है। उसी मापदंड अनुमति नहीं दें रही है। शिक्षण के तहत हमें भी अनुमति दी जाए। इस दौरान जिला महामंत्री जिलाध्यक्ष संगीता सिंह ने कहा कि जिले म





## प्रतीक गांधी अभिनीत वेब सीरीज का निर्माण करेंगे अभिनेता अजय देवगन



स्कैम 1992। द हर्षद मेहता स्टोरी की सफलता के बाद प्रतीक गांधी के सितारे बुलंडियों पर पहुंच गए थे। आज के दौर में वह एक उभरते हुए अभिनेता के रूप में जाने जाते हैं। वह इस समय कई प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त है। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसे मशहूर अभिनेता अजय देवगन प्रोड्यूस करेंगे। इस वेब सीरीज का प्रसारण ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़ी प्लस हॉटस्टार पर होगा। अजय प्रतीक की वेब सीरीज सिवस सस्पेंस को प्रोड्यूस करेंगे। लेट्स ओटीटी ग्लोबल की रिपोर्ट की माने तो अजय इस प्रोजेक्ट का सह-निर्माण करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अजय दिवंगत निर्माता विषय सिन्हा की बेटी प्रीति सिन्हा के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट का निर्माण करेंगे। इस संबंध में आधिकारिक जानकारी जल्द सामने आ सकती है। अजय ने इससे पहले ताह्ताजी के अनसंग वॉरियर और शिवाय जैसे प्रोजेक्ट का निर्माण किया है। यह सीरीज विकास खरूप के इसी नाम के मर्डर मिस्ट्री उपन्यास का निर्माण किया रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सीरीज की शूटिंग फरवरी में शुरू हो चुकी है, लेकिन इस प्रोजेक्ट से युडी टीम ने इसे गोपनीय रखा था। इस किताब के राइट्स अजय और प्रीति ने खरीद लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने विकास की एक अन्य किताब द एक्सीडेंटल अपर्टेंटिस के राइट्स भी खरीद लिए हैं। अजय ने अभिषेक बच्चन की द बिंग बुल को भी प्रोड्यूस किया था। इस सीरीज में ऋचा चड्ढा भी मुख्य भूमिका में दिखने वाली है। ऋचा ने अपने इंस्ट्रायम हैंडल पर लिखा था, अपने शैड्यूल में इस प्रोजेक्ट को शामिल करके मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं अपने पंसदीदा निर्देशक के साथ काम करने वाली हूं जिनके साथ मैंने करियर की शुरूआत की थी। सीरीज के निर्देशक तिगमांशु धूर्णिया और ऋचा दोनों गैंग्स ऑफ वासेपुर में को-स्टार के रूप में साथ नजर आए थे। सीरीज की 50 फीसदी शूटिंग पूरी कर ली गई है। 2016 में प्रकाशित हुआ विकास का उपन्यास जेसिका लाल मर्डर केस से मिलता-जुलता है। इसमें एक प्रभावशाली व्यक्ति का बेटा अपनी नौकरी की गोली से मार देता है, जब वह उसे ड्रिंग परोसने से मना कर देती है। केस और पेंचीदा हो जाता है, जब आरोपित उस पार्टी में मृत पाया जाता है। विकास एक प्रसिद्ध भारतीय राजनायिक और लेखक हैं। उनकी पहली पुस्तक का रूपांतरण ऑस्कर विजेता फिल्म स्लमडॉग मिलियनेर है।

प्रोजेक्ट की विफलता के लिए किसी अभिनेता को दोष देना सही नहीं राइमा सेन

अभिनेत्री राइमा सेन का कहना है कि किसी परियोजना की विफलता के लिए किसी अभिनेता को दोष देना अनुचित है क्योंकि



यह टीम वर्क है और इसके लिए हर कोई जिम्मेदार है। राइमा ने बताया मुझे लगता है कि किसी प्रोजेक्ट की विफलता या सफलता के लिए सिर्फ एक अभिनेता को दोष देना अनुचित है क्योंकि मुझे लगता है कि यह टीम वर्क है। हर कोई इसके लिए जिम्मेदार है, केवल अभिनेता ही नहीं। हम एक स्क्रिप्ट पढ़ते हैं लेकिन हम नहीं जानते कि यह अंतरक कैसे निकलेगी। राइमा, जिनके हालिया काम में वेब-शूखला द लास्ट ऑवर शामिल है, उनका कहना है कि टीम वर्क के लिए सब कुछ है। अभिनेत्री ने कहा कि हम नहीं जानते कि इसे कैसे शूट किया जाएगा। हम सिर्फ एक स्क्रिप्ट पढ़ते हैं जिसकी हम भूमिका निभाते हैं लेकिन बाकी वास्तव में हमारे ऊपर नहीं है। बेशक, हम कुछ कह सकते हैं लेकिन यह टीम वर्क है आप उस मामले के लिए केवल निर्देशक या किसी की भी व्यक्तिगत रूप से दोष नहीं दे सकते हैं। अनुभवी स्टार मुनमुन सेन की बेटी राइमा ने कहार दर्शक विकसित होते रहते हैं इसलिए यह दर्शकों पर निर्भर करता है कि उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं। कुछ फिल्में जो दिखाई जाती हैं, वे अपने समय से आगे होती हैं, वे अभी अच्छा नहीं करते, शायद वे बाद में अच्छा करेंगे। राइमा अगली बार आगामी ओटीटी शो में दिखाई देंगी।



## राज कुंद्रा की कंट्रोवर्सी के बीच शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता बिंग बॉस में आएंगी नजर



रियलिटी शो बिंग बॉस के निर्माताओं ने पूछ्ते की है कि शिल्पा शेट्टी की बहन शमिता शेट्टी बिंग बॉस की घर में प्रवेश कर चुकी हैं। वूट पर नवीनतम शिंग बॉस ओटीटी कर्टन रेजिस्ट्रेशन विलेप ने दर्शकों को घर में बंद होने वाले प्रतियोगियों से परिचित कराया। इसमें शमिता शेट्टी की सिजलिंग एंट्री होती है, जिसका मतलब है कि वह निश्चित रूप से शो में भाग ले रही है। वूट विलेप में शमिता को प्रसिद्ध गीत शरारा शरारा पर थिरकते हुए बिंग बॉस ओटीटी मच में प्रवेश करते देखा जा सकता है। विलेप में शमिता मच पर कदम रखते हुए लाल रंग की पोशाक पहने हुए दिखाई दे रही है। वह स्टंटनिंग लग रही है। उनके साथ बिंग बॉस में प्रवेश करेंगे, प्रतीक सहजपाल, दिव्या अग्रवाल, नेहा भसीन, जीशान खान, राकेश बापट, रिद्धिमा पंडित, मिलिंद गावा, उर्फी जावेद, जीशान खान, करण नाथ, निशांत भट, और अक्षरा सिंह। शमिता शेट्टी की शो में एंट्री उनकी बहन शिल्पा शेट्टी और बहनोई राज कुंद्रा के जीवन में आई परेशानियों के बीच हुई है। कुंद्रा को एडल्ट कंटेंट मामले में गिरपतार किया गया है। एडल्ट कंटेंट बनाने और ऐप्स के जरिए इसे पब्लिश करने के लिए उनके खिलाफ चार्जर्शीट दाखिल की गई है। इस मामले ने काफी विवादों को जन्म दिया है, जिसके बाद शिल्पा पर भी कई आरोप लगे हैं।

पासपोर्ट मामला: जावेद अख्तर ने कंगना रनौत की याचिका को म्हारिज करने का आग्रह किया



गीतकार जावेद अख्तर ने सोमवार को बैंबई उद्योगालय से आग्रह किया कि अभिनेत्री कंगना रनौत की उस याचिका को खारिज किया जाए जिसमें उन्होंने महानगर की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा शुरू की गई आपाराधिक मानहानि कार्यवाही को निरस्त करने की मांग की है। उच्च न्यायालय में अपने बकील एन के भारद्वाज के मार्फत दायर जावेदी हलफनामे में अख्तर ने कहा कि उपनगर अंडरौंडे के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने रणौत के खिलाफ आपाराधिक मानहानि की कार्यवाही शुरू करने में उचित प्रक्रिया का पालन किया है। रणौत के बकील रिजिवन सिड्हिकी द्वारा पिछले महीने दायर एक याचिका के जवाब में अख्तर ने जावेदी हलफनामा दायर किया है। रणौत ने याचिका में इस वर्ष शुरू की गई मानहानि कार्यवाही को चुनौती दी और कहा कि मजिस्ट्रेट की अदालत ने मामले में अपने विषेक का इस्तेमाल नहीं किया। रनौत ने कहा कि मजिस्ट्रेट की अदालत ने उनके खिलाफ शिकायत में जामिन गवाहों या शिकायतकर्ता का इस्तेमाल नहीं किया। रनौत ने कहा कि मजिस्ट्रेट की अदालत ने उनके खिलाफ शिकायत में जामिन गवाहों की अधिकारी का इस्तेमाल नहीं किया।

तमिल अभिनेत्री ऋत्विका का कहना है कि आगामी संकलन नवरसा में अभिनेता अरविंद स्वामी द्वारा निर्देशित होना उनके लिए एक रोमांचक अनुभव था। 2018 तमिल बिंग बॉस शो जीतने वाली अभिनेत्री, फिल्म रोद्रम में अंबुकरासी के किरदार में दिखाई देंगी, जो एंथोलॉजी में गुस्से की भावना को दर्शाती है।

अरविंद स्वामी के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, ऋत्विका ने कहा कि अभिनेता के अदालत द्वारा एक याचिका के जवाब में अख्तर ने जावेदी हलफनामा दायर किया है। ऋत्विका ने याचिका में इस वर्ष शुरू की गई मानहानि कार्यवाही को चुनौती दी और कहा कि कहानी की अदालत ने मामले में उचित प्रक्रिया का पालन किया है। ऋत्विक के बकील रिजिवन सिड्हिकी द्वारा पिछले महीने दायर एक याचिका के जवाब में अख्तर ने जावेदी हलफनामा दायर किया है। ऋत्विक ने कहा कि मजिस्ट्रेट की अदालत ने उनके खिलाफ शिकायत में जामिन गवाहों या शिकायतकर्ता का इस्तेमाल नहीं किया।

उन्होंने सुनिश्चित किया कि एक महान दृश्य पाने के लिए सभी तकनीकी पहलू मौजूद थे और भावनाओं को फिल्माया गया। उनकी सूक्ष्म और विस्तार-उच्चुख फिल्म निर्माण के तरीके प्रभावशाली और असाधारण थे। दृश्यों और सावादों के लिए वच्चर्वल कार्यशालाओं और ऑनलाइन बैठकों में भाग लेना मेरे लिए एक रोमांचक अनुभव था।

मनोरंजन से लेकर विस्मय तक, नवरसा भारतीय सौंदर्य सिद्धांत की खोज करता है और नौ कहानियों के माध्यम से प्रेम, हंसी, क्रोध, करुणा, साहस, भय, धृणा, आश्चर्य और शांति की 9 अलग-अलग भावनाओं को प्रदर्शित करता है। एंथोलॉजी 6 अगस्त से नेटप्लिक्स पर स्ट्रीम हुई।

## हवाई यात्रा के बाद कानों में होने लगता है दर्द? इन घरेलू नुस्खों से पाएं राहत



## रोजाना सूर्य नमस्कार करने से मिलते हैं अनेक फायदे



सूर्य नमस्कार सुबह की योग मुद्रा है, जिसे यदि प्रतिदिन नियमित रूप से किया जाए तो शरीर स्वस्थ और दीप्तिमान हो जाता है। सूर्य नमस्कार में 12 प्रभावी आसन होते हैं। ऐसा करने से मन को शांति मिलती है और शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह खाली पेट सूर्य नमस्कार करना सब